

कहानी का सारांश

यह कहानी एक साधु बाबा भारती और एक डाकू खड्गसिंह के बीच घोड़े को लेकर होने वाली घटना के इर्द-गिर्द घूमती है। बाबा भारती अपने घोड़े सुलतान से बेहद प्रेम करते थे और उसे अपना सबकुछ मानते थे। खड्गसिंह, जो एक कुख्यात डाकू था, सुलतान की खूबसूरती और चाल से मुग्ध हो जाता है और उसे हासिल करने की ठान लेता है। वह बाबा भारती के पास जाता है और घोड़े को मांगता है।

बाबा भारती डर जाते हैं लेकिन बाद में खड्गसिंह घोड़ा चुरा ले जाता है। बाबा भारती को इस घटना से बहुत दुख होता है लेकिन फिर भी वह खड्गसिंह से शिकायत नहीं करते। इसके बजाय, वे खड्गसिंह से कहते हैं कि इस घटना को किसी को ना बताए ताकि लोगों का विश्वास गरीबों पर से ना उठ जाए। खड्गसिंह बाबा भारती की इस बात से बहुत प्रभावित होता है और घोड़ा वापस लौटा देता है। अंत में, दोनों ही व्यक्ति एक-दूसरे के प्रति सम्मान और प्रशंसा का भाव रखते हैं।

शब्दार्थ:

लहलहाते	: हरे-भरे	बेहमी	: निर्दयता
आनंद	: उल्लास, खुशी, हर्ष	प्रतिक्षण	: हरपल
अर्पण	: समर्पित, सौंपना, भेंट करना	मिथ्या	: झूठा
असबाब	: सामान	अपाहिज	: विकलांग, अपंग
घृणा	: नफरत	विस्मय	: आश्चर्य
भ्रांति	: गलत धारणा	प्रयोजन	: मतलब
अधीर	: बेताब	लगाम	: घोड़े को नियंत्रित करने की रस्सी
बाँका	: सुंदर	सन्नाटा	: शांत
कीर्ति	: यश, प्रसिद्धि	पश्चाताप	: पछतावा
अस्तबल	: घोड़ों का ठहराव	कुटिया	: छोटा घर
अधीरता	: बेचेनी		

लेखक परिचय

सुदर्शन हिंदी साहित्य के एक प्रतिष्ठित लेखक हैं, जो मानवीय संवेदनाओं को सहज भाषा में व्यक्त करने के लिए प्रसिद्ध हैं। उनकी कहानियों में आदर्श, नैतिक मूल्यों और समाज सुधार की भावना स्पष्ट रूप से झलकती है। उनकी रचनाओं में भारतीय समाज की

परंपराओं और मूल्यों का गहन चित्रण मिलता है, जिससे पाठक उनकी लेखनी से गहराई से जुड़ाव महसूस करते हैं।

सोच-विचार के लिए

कहानी को एक बार फिर से पढ़िए और निम्नलिखित पंक्ति के विषय में पता लगाकर अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए।

“दोनों के आँसुओं का उस भूमि की मिट्टी पर परस्पर मेल हो गया।”

1. किस-किस के आँसुओं का मिलन हो गया था?

उत्तर: बाबा भारती और खड्गसिंह के आँसुओं का मिलन हो गया था।

2. दोनों के आँसुओं में क्या अंतर था?

उत्तर: बाबा भारती के आँसू खुशी और राहत के थे क्योंकि उन्हें उनका घोड़ा वापस मिल गया था, जबकि खड्गसिंह के आँसू पश्चाताप और शर्मिंदगी के थे।

दिनचर्या

1. कहानी पढ़कर आप बाबा भारती के जीवन के विषय में बहुत कुछ जान चुके हैं।

अब आप कहानी के आधार पर बाबा भारती की दिनचर्या लिखिए। वे सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक क्या-क्या करते होंगे, लिखिए। इस काम में आप थोड़ा-बहुत अपनी कल्पना का सहारा भी ले सकते हैं।

उत्तर : बाबा भारती की दिनचर्या:

सुबह : सुबह जल्दी उठकर स्नान, पूजा और भजन आदि करते होंगे।

दिन : अपने घोड़े सुलतान की देखभाल, गरीबों की मदद और अध्ययन करते होंगे।

शाम : सुलतान के साथ समय बिताना, फिर भजन-कीर्तन करते होंगे।

रात : लोगों से मिलना, प्रार्थना और सुलतान की रखवाली के बाद सोना। इस प्रकार उनका जीवन भक्ति, सेवा और सुलतान की देखभाल में बिताते होंगे।

2. अब आप अपनी दिनचर्या भी लिखिए।

उत्तर: दिनचर्या:

• सुबह:

6:00 AM: उठकर ताजगी के लिए कुछ मिनट ध्यान और योग करता हूँ।

6:30 AM: नाश्ते के लिए फल और ओट्स या पोहा बनाता हूँ।

7:00 AM: ताजगी से नहाकर तैयार होता हूँ और दिनभर की योजनाओं को जांचता हूँ।

• दोपहर:

12:00 PM: हल्का भोजन करता हूँ जिसमें दाल, चावल और सब्जियाँ शामिल

होती हैं।

1:00 PM: थोड़ी देर आराम करता हूँ या पढ़ाई करता हूँ।

2:00 PM: काम या अध्ययन की गतिविधियों में व्यस्त रहता हूँ।

- **शाम:**

5:00 PM: ताजगी के लिए हल्की चाय या स्नैक के साथ शाम की चहलकदमी करता हूँ।

6:00 PM: काम के परिणामों की समीक्षा करता हूँ और अगले दिन के लिए तैयारी करता हूँ।

- **रात:**

8:00 PM: रात के खाने में परिवार के साथ बैठकर भोजन करता हूँ।

9:00 PM: आराम के लिए एक अच्छी किताब पढ़ता हूँ या टीवी देखता हूँ।

10:00 PM: सोने से पहले थोड़ा ध्यान करता हूँ और अगले दिन की योजनाओं को आखिरी बार देखता हूँ।

10:30 PM: सो जाता हूँ।

कहानी की रचना

(क) इस कहानी की कौन-कौन सी बातें आपको पसंद आईं? आपस में चर्चा कीजिए।

उत्तर: इस कहानी की कई बातें मुझे बहुत पसंद आईं:

- **बाबा भारती का करुणा और दया भाव:** कहानी में बाबा भारती का गरीब और अपाहिज व्यक्ति की मदद करने का भाव दर्शाता है कि वे कितने दयालु और करुणावान थे। यह दिखाता है कि सच्ची मानवता क्या होती है।
 - **खड्गसिंह का परिवर्तन:** कहानी का वह भाग जहाँ खड्गसिंह अपने किए पर पछताता है और बाबा भारती का छोड़ा वापस कर देता है, बहुत प्रेरणादायक है। यह दिखाता है कि किसी की सच्चाई और ईमानदारी कैसे एक व्यक्ति को बदल सकती है।
 - **घोड़े सुल्तान की भूमिका:** सुल्तान घोड़े का वर्णन और उसकी विशेषताएँ कहानी में जान डाल देती हैं। यह कहानी के भावनात्मक पहलू को और भी मजबूत बनाता है।
 - **नैतिक शिक्षा:** कहानी में दी गई नैतिक शिक्षा कि सच्चाई और ईमानदारी हमेशा जीतती है, मुझे बहुत पसंद आई। यह हमें सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी हमें अपने सिद्धांतों पर अडिग रहना चाहिए।
 - **लेखक की भाषा शैली:** सुदर्शन की लेखन शैली और संवाद बहुत प्रभावी और सजीव हैं। यह कहानी को पढ़ने में अधिक रोचक बनाते हैं।
- इन सभी बातों ने मिलकर इस कहानी को बहुत ही रोचक और प्रेरणादायक बना दिया है।

(ख) कोई भी कहानी पाठक को तभी पसंद आती है जब उसे अच्छी तरह लिखा गया हो। लेखक कहानी को अच्छी तरह लिखने के लिए अनेक बातों का ध्यान रखते हैं, जैसे- शब्द, वाक्य, संवाद आदि। इस कहानी में आए संवादों के विषय में अपने विचार लिखें।

उत्तर: इस कहानी के संवाद सरल, प्रभावी और सजीव हैं। संवादों के माध्यम से पात्रों की भावनाएँ और विचार स्पष्ट रूप से व्यक्त होते हैं, जिससे कहानी में वास्तविकता का अनुभव होता है।

मुहावरे कहानी से

(क) कहानी से चुनकर कुछ मुहावरे नीचे दिए गए हैं— लट्टू होना, हृदय पर साँप लोटना, फूले न समाना, मुँह मोड़ लेना, मुख खिल जाना, न्योछावर कर देना। कहानी में इन्हें खोजकर इनका प्रयोग समझिए।

- लट्टू होना = बाबा भारती घोड़े की चाल पर लट्टू थे।
- हृदय पर साँप लोटना = घोड़े की चाल देखकर खड्गसिंह के हृदय पर साँप लोट गया।
- फूले न समाना = घोड़े के शरीर तथा उसके रंग को देखकर बाबा भारती फूले न समाते थे।
- मुँह मोड़ लेना = बाबा भारती ने सुलतान की ओर से इस तरह मुँह मोड़ लिया जैसे उनका उससे कोई संबंध ही न रहा हो।
- मुख खिल जाना = घोड़े को देखकर बाबा भारती का मुख फूल की नाई खिल जाता था।
- न्योछावर कर देना = बाबा भारती ने अपना सब कुछ घोड़े पर न्योछावर कर दिया।

(ख) अब इनका प्रयोग करते हुए अपने मन से नए वाक्य बनाइए।

- लट्टू होना = इतनी तारीफ सुनकर बच्चा लट्टू सा हो गया।
- हृदय पर साँप लोटना = उसकी बातें सुनकर मेरे हृदय पर साँप लोटने लगा।
- फूले न समाना = इतने सारे उपहार पाकर बच्चा फूले नहीं समा रहा था।
- मुँह मोड़ लेना = अपनी गलती मानने के बजाय उसने मुँह मोड़ लिया।
- मुख खिल जाना = जब रोहन पुरस्कार मिला तो उसका मुख खिल उठा।
- न्योछावर कर देना = माँ ने अपने बेटे के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया।

पाठ से आगे

I. सुलतान की कहानी

मान लीजिए, यह कहानी सुलतान सुना रहा है। तब कहानी कैसे आगे बढ़ती ?

स्वयं को सुलतान के स्थान पर रखकर कहानी बनाइए।

(संकेत- आप कहानी को इस प्रकार बढ़ा सकते हैं - मेरा नाम सुलतान है। मैं एक घोड़ा हूँ.....)।

उत्तर: मेरा नाम सुलतान है। मैं एक घोड़ा हूँ और मेरे स्वामी बाबा भारती हैं। बाबा भारती मुझसे बहुत प्रेम करते हैं और मेरी देखभाल में कोई कमी नहीं छोड़ते। एक दिन, खड्गसिंह नाम का डाकू मुझे चुराने आया। उसने चालाकी से बाबा को धोखा

देकर मुझे ले जाने की कोशिश की, लेकिन बाबा की ईमानदारी और विश्वास ने उसे बदल दिया। अंततः, खड़गसिंह ने मुझे वापस लौटा दिया। इस घटना ने मुझे सिखाया कि सच्चाई और ईमानदारी हमेशा जीतती है।

II. मन के भाव

1. कहानी में से चुनकर कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। बताइए, कहानी में कौन, कब, ऐसा अनुभव कर रहा था।

• चकित • अधीर • डर • प्रसन्नता • करुणा • निराशा

उत्तर:

चकित: जब बाबा भारती ने देखा कि अपाहिज व्यक्ति घोड़े को लेकर भाग गया।

प्रसन्नता: जब बाबा भारती को उनका घोड़ा वापस मिल गया।

अधीर: जब बाबा भारती ने देखा कि उनका प्रिय घोड़ा सुल्तान गायब है।

करुणा: जब अपाहिज व्यक्ति ने बाबा भारती से मदद मांगी।

डर: जब बाबा भारती को लगा कि खड़गसिंह उनका घोड़ा चुरा ले जाएगा।

निराशा: जब बाबा भारती को लगा कि उनका घोड़ा चला गया है।

2. आप उपयुक्त भावों को कब-कब अनुभव करते हैं? लिखिए।

उत्तर:

करुणा: जब मैं किसी गरीब व्यक्ति को देखता हूँ।

आश्चर्य: जब मुझे कोई अप्रत्याशित उपहार मिलता है।

डर: जब मैं अंधेरे में अकेला होता हूँ।

प्रसन्नता: जब मैं अपने दोस्तों के साथ खेलता हूँ।

निराशा: जब मैं परीक्षा में अच्छे अंक नहीं ला पाता हूँ।

III. लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर (Short Answer Type Questions)

1. बाबा भारती और सुल्तान के बीच क्या संबंध था?

उत्तर: बाबा भारती अपने घोड़े सुल्तान से अत्यधिक प्रेम करते थे। वे सुल्तान को अपने जीवन का एक अभिन्न हिस्सा मानते थे। सुल्तान उनके लिए केवल एक घोड़ा नहीं, बल्कि एक परिवार का सदस्य था। वे उसकी देखभाल करते थे और उसे अपने साथ हमेशा रखते थे। उनका यह प्रेम सच्चे आत्मीय संबंध का प्रतीक था।

2. खड़गसिंह कौन था और वह बाबा भारती के पास क्यों आया था?

उत्तर: खड़गसिंह इलाके का प्रसिद्ध डाकू था और उसने सुल्तान नामक घोड़े की कीर्ति सुन रखी थी। वह उसे देखने के लिए बाबा भारती के पास आया था।

3. बाबा ने खड़गसिंह को बुलाकर क्या कहा था?

उत्तर: बाबा ने खड़गसिंह को बुलाकर यह कहा कि मेरी तुमसे केवल यह प्रार्थना है

कि इस घटना को किसी के सामने प्रकट न करना। घोड़ा अब तुम्हारा हो चुका है। नहीं तो लोग गरीबों पर विश्वास करना छोड़ देंगे।

IV. दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर (Long Answer Type Questions)

1. एक दिन संध्या के समय डाकू खड्गसिंह ने क्या नाटक किया ? उत्तर: एक दिन संध्या के समय डाकू खड्गसिंह एक अपाहिज कंगला बनकर उस रास्ते में पड़ गया, जिस रास्ते से बाबा भारती अपने घोड़े पर जा रहे थे। कंगले के रूप में खड्गसिंह ने स्वयं को वैद्य दुर्गादत्त का सौतेला भाई बताकर रामवाला गाँव तक ले चलने की गुहार लगाई। बाबा भारती ने घोड़ा रोककर उसे घोड़े पर चढ़ा लिया। तब वह खड्गसिंह अपने असली रूप में आ गया और बाबा भारती से उनका घोड़ा चालाकी से हथिया लिया।

2. बाबा भारती घोड़े की किस प्रकार सेवा करते थे?

उत्तर: बाबा भारती को भगवद्-भजने के बाद जो समय बचता, वह घोड़े की सेवा में अर्पण हो जाता। वे रोजाना अपने हाथ से खरहरा करते, खुद दाना खिलाते और उसे देख-देखकर प्रसन्न होते थे। वे ऐसी लगन, ऐसे प्यार और स्नेह से अपने सुलतान घोड़े की देखभाल करते थे कि मानो वह उनका अतीव प्रियजन हो। उन्हें रुपया, माल असबाब, जमीन तथा नागरिक सुखमय जीवन से भी घृणा थी। वे गाँव के बाहर एक छोटे मंदिर में रहते थे। वे सुलतान से अतिशय प्रेम करते थे और उसके दाना-पानी का पूरा ध्यान रखते थे।

3. घोड़े सुलतान को देखकर बाबा भारती को कैसे आनंद की प्राप्ति होती थी?

उत्तर: बाबा भारती को अपने घोड़े सुलतान को देखकर बड़ा आनंद मिलता था। जैसे माँ को अपने बेटे को देखकर, साहूकार को अपने देनदार और किसान को अपने लहलहाते खेत को देखकर आनंद आता है, उसी प्रकार बाबा भारती को अपने घोड़े को देखकर आनंद मिलता था। इस कारण सुलतान से बिछुड़ने की बात से उन्हें असह्य वेदना होती थी। वे उसके बिना एक क्षण भी नहीं रह सकने की बात सोचते रहते थे।

V. नीचे दिए गए प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एवं स्टीक उत्तरों के सामने (✓) का चिह्न लगाइए।

1. बाबा भारती कहाँ रहते थे?

(i) गाँव के बाहर एक कुटिया में।

(ii) गाँव के एक मंदिर में

(iii) गाँव से बाहर एक छोटे-से मंदिर में

सही उत्तर: (i) गाँव के बाहर एक कुटिया में

2. बाबा भारती को अपना घोड़ा देखकर किस प्रकार का आनंद आता था?

(i) जो एक माँ को अपने बेटे को देखकर आता है।

(ii) जो एक किसान को अपने लहलहाते खेत देखकर आता है।

(iii) (i) और (ii) दोनों।

सही उत्तर: (iii) (i) और (ii) दोनों

VI. सही शब्द द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

A. बाबा भारती ने घोड़ा दिखाया _____ से, खड्गसिंह ने घोड़ा देखा _____ से। उत्तर: स्नेह, लोभ

B. इस समय उनकी आँखों में _____ थी, मुख पर _____। कभी घोड़े के _____ को देखते, कभी उसके _____ को।

उत्तर: पश्चाताप, शर्मिंदगी, पैरों, चेहरे

C. बाबा भारती ने देखा कि अपाहिज घोड़े की पीठ पर _____ बैठा है और घोड़े को _____ लिए जा रहा है। उनके मुख से _____, _____ और _____ से मिली हुई चीख निकल गई। उत्तर: सीधा, तेज़ी, दुख, क्रोध, हैरानी

D. रात के अँधेरे में खड्गसिंह बाबा भारती के मंदिर में पहुँचा। चारों ओर _____ था। आकाश में तारे _____ रहे थे। थोड़ी दूर पर गाँवों के _____ रहे थे। उत्तर: सन्नाटा, टिमटिमा, कुत्ते

VII. दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखिए तथा मुहावरों को अपने वाक्यों में प्रयोग भी कीजिए।

1. लट्टू होना :

अर्थ: किसी चीज़ पर बहुत मोहित/पसंद होना।

वाक्य: राम नए खिलौने पर लट्टू हो गया।

2. हृदय पर साँप लोटना :

अर्थ: अत्यधिक जलन या ईर्ष्या होना।

वाक्य: मेरी नई घड़ी देखकर मोहन के हृदय पर साँप लोट गया।

3. फूले न समाना :

अर्थ: अत्यधिक प्रसन्न या गर्वित होना। (या) बहुत खुश होना।

वाक्य: परीक्षा में अच्छे नंबर पाकर वह फूला न समाया।

4. मुख खिल जाना :

अर्थ: चेहरा खुश हो जाना।

वाक्य: मिठाई देखकर बच्चे का मुख खिल गया।

5. हवा से बातें करना :

अर्थ: बहुत तेज चलना या दौड़ना।

वाक्य: राजू की नई साइकिल हवा से बातें करती है।

VIII. दिए गए शब्दों के उलटे अर्थ वाले (विपरीतार्थक) शब्द लिखिए।

- (i) कीर्ति × अपकीर्ति
- (ii) प्रशंसा × निंदा
- (iii) लाभ × हानि
- (iv) पसंद × नापसंद
- (v) आज्ञा × उलंघन / अवज्ञा
- (vi) प्रकट × गुप्त
- (vii) प्रेम × घृणा
- (viii) निराशा × आशा

IX. दिए गए शब्दों के दो-दो समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द लिखिए।

- (i) घोड़ा - अश्व, तुरंग
- (ii) मनुष्य - मानव, आदमी
- (iii) रात - रात्रि, निशा
- (iv) वृक्ष - पेड़, तरु
- (v) जल - पानी, नीर
- (vi) दिन - दिवस, उजाला